जिला :- करौली

25. करौली

Date ___/___/___ Page No.: ___

⇒ उपनाम :- कल्याण पुरी, गोपाल पाल

⇒ स्थापना :- करौली जिले की स्थापना महान यदुवंशी राजा अर्जुन ने सन् 1348 में कल्याणपुरी के नाम से की थी।

⇒ 19 जुलाई 1947 को करौली जिला राजस्थान के 32वें जिले के रूप में सामने आया।

⇒ करौली के शासक हरवक्ष ने 15 नव० 1817 को अंग्रेजों से सर्वप्रथम समझौता किया था।

→ कबीर शाह की दरगाह करौली में

→ राज० का सबसे बड़ा मिट्टी से निर्मित पांचना बाँध करौली जिले में स्थित है।

→ करौली जिले में कैलादेवी अभयारण्य स्थित है जो राजस्थान में धोकड़ा वृक्षों के लिये प्रसिद्ध है।

⇒ कैलादेवी का मेला व मंदिर :-

→ करौली जिले में कालीसिंध नदि के किनारे कैलादेवी का भव्य मंदिर है।

→ कैलादेवी यदुवंशी राजवंश (यादव वंश) की कुल देवी है।

→ कैलादेवी के मंदिर के सामने लांगुरिया नामक व्यक्ति का मंदिर है। जो माता का परम भक्त था। इसलिये पूजा से पहले इसके नाम वाला लांगुरिया गीत गाया जाता है।

→ यहाँ प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी को विशाल मेला भरता है जहाँ सम्पूर्ण देश से श्रद्धालु आते हैं। यह एक लक्खी मेला है।

→ श्री महावीर जैन मंदिर महावीर जी नामक स्थान पर है। यह मंदिर गंभीरी नदी के तट पर स्थित है।

→ करौली जिले में पशुपालन विभाग द्वारा शिवरात्री पर विशाल पशु मेला आयोजित किया जाता है।

→ करौली जिले में पाँच नदियों के संगम पर राज्य का सबसे बड़ा मिट्टी से बना पाँचना बाँध स्थित है।

→ करौली में मदनमोहन जी का मंदिर है।

→ करौली में तिमनगढ़ (त्रिभुवनगढ़) स्थित है। जिस पर 1196 में गौरी ने आक्रमण किया था।

लोकेश कुमार द्वारा संचालित
Scanned by CamScanner